GENERAL KNOWLEDGE &
GENERAL STUDIES

Medieval Indian History (Part-1)

CUSTOMIZED STUDY MATERIAL BY:
EXAMSCART.COM

मध्यकालीन भारतीय इतिहास

1.	अलाई दरवाजा (अलाउद्दीन का द्वार) कुतुब परिसर में कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद का दक्षिणी द्वार है, जिसे अलाउद्दीन खिलजी ने बनवाया था।
2.	यूसुफ आदिल शाह बीजापुर राज्य के संस्थापक थे।
3.	कालिंजर का किला मध्य भारत के बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित है। यह वह जगह है जहाँ 1545 में शेरशाह सूरी की मृत्यु हुई थी।
4.	1347 से 1425 तक गुलबर्गा बहमनी सल्तनत की राजधानी थी। 1425 में, अहमद शाह ने गुलबर्गा से बीदर को राजधानी स्थानांतरित कर दी।
5.	जलालुद्दीन फिरोज खलजी ने गुलाम वंश को उखाड़ कर खिलजी वंश की स्थापना की।
6.	खिज्र खान सैय्यद राजवंश के संस्थापक थे।
7.	चांगिज़ खान के अधीन मंगोलअॅ ने इल्तुतमिश के शासन के दौरान भारत पर आक्रमण किया।
8.	कालीघाट पेंटिंग की शुरुआत 19 वीं शताब्दी में बंगाल में कालीघाट काली मंदिर, कोलकाता, बंगाल के पास हुई थी। सामान्य विषय हिंदू देवी-देवता और अन्य पौराणिक हस्तियां थीं।
9.	पानीपत की पहली लड़ाई (1526) में बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराया। पानीपत की दूसरी लड़ाई (1556) में अकबर ने हेमू को हराया। पानीपत की तीसरी लड़ाई (1761) में, अहमद शाह अब्दाली ने मराठअॅ को हराया।
10.	फ़वाज़िल सल्तनत काल में इकतदारअॅ द्वारा सरकारी खजाने को दी गई अतिरिक्त राशि थी।
11.	दिल्ली सल्तनत के सुल्तानअॅ ने अपनी सत्ता के केंद्रीकरण के लिए इकतारी प्रणाली का प्रभावी रूप से उपयोग किया।
12.	1398 में, तैमूर ने उत्तरी भारत पर हमला किया, तुगलक वंश के सुल्तान नासिर-उद-दीन महमूद शाह तुगलक द्वारा शासित दिल्ली सल्तनत पर हमला किया।
13.	मुग़ल साम्राज्य में अहदी सैनिक थे। उन्हें सीधे मुगल सम्राट द्वारा नियुक्त किया गया था। उन्हअॅने खुद को किसी मिर्जा या प्रमुख से नहीं जोड़ा।
14.	चामकौर (1705) की लड़ाई गोबिंद सिंह और मुगल सेना के बीच लड़ी गई थी। हल्दीघाटी (1576) की लड़ाई अकबर और महाराणा प्रताप के बीच लड़ी गई थी।
15.	श्री हर्ष जयचंद्र के दरबारी कवि थे। श्री हर्ष 12 वीं शताब्दी के संस्कृत कवि और दार्शनिक थे।
16.	जुझार सिंह (14 मार्च 1691 - 22 दिसंबर 1705), गुरु गोविंद सिंह के दूसरे बेटे, आनंद जी साहब के घर माता जीतो के घर पैदा हुए थे। उन्हअॅने शाहजहाँ के खिलाफ विद्रोह कर दिया।
17.	शेरशाह के शासनकाल के दौरान, मलिक मुहम्मद जायसी ने अपना महाकाव्य पद्मावतपूरा किया।
18	इबादत खाना जिसका निर्माण फतेहपुर सीकरी में अकबर द्वारा किया गया था, मूल रूप से सभी धर्मों से संबंधित मामलअॅ पर चर्चा करने के उद्देश्य से किया गया था।
19.	अकबर ने 1583 में कुछ दिनअॅ में जानवरअॅ को मारने पर प्रतिबंध लगा दिया।
20.	सिकंदरारा में अकबर साम्राज्य की राजधानी, बुलंद दरवाजा, पंच महल (सभी फतेहपुर सीकरी)।
21.	दरिया-ए-नूर भारत के गोलकअॅडा माइंस से उत्पन्न एक हीरे का नाम है।
22.	मुहम्मद शाह आंशिक रूप से लगभग 29 वर्षों तक सिंहासन रखने में सक्षम थे क्यअॅकि पहली बात उन्हअॅने सय्यद ब्रदर्स को खत्म करना

	था। अपने समय के दौरान नादिर शाह ने दिल्ली पर हमला किया और लूट लिया और मयूर सिंहासन को अपने साथ ले गया। नादिर शाह के आक्रमण ने मुगल साम्राज्य के विघटन को तेज कर दिया। उनके समय के दौरान, हैदराबाद, बंगाल, अवध राज्य स्वतंत्र राज्यअॅ के रूप में स्थापित हुए थे।
23.	मध्यकालीन भारत में "बाजार नियामक उपाय" अलाउद्दीन खिलजी से संबंधित थे। उन्हअॅने बड़े पैमाने पर आम जनता के कल्याण के लिए मूल्य नियंत्रण उपायअॅ की शुरुआत की। उसने जमाखोरी और व्यवस्था पर प्रतिबंध लगा दिया।
24.	इल्तुमिश दिल्ली से शासन करने वाला पहला मुस्लिम शासक था, और इस प्रकार उसे दिल्ली सल्तनत का प्रभावी संस्थापक माना जाता है। उन्हअॅने 1211 से 1236 तक शासन किया।
25.	7 वीं और 8 वीं शताब्दी के दौरान कर्कोटा साम्राज्य भारतीय उपमहाद्वीप में एक प्रमुख शक्ति थी। इसकी स्थापना हर्षवर्धन के जीवनकाल में दुर्बलभवर्धन ने की थी। राजवंश ने उत्तरी भारत में एक शक्ति के रूप में कश्मीर के उदय को चिह्नित किया।
26.	आठवीं शताब्दी की त्रिपक्षीय सत्ता संघर्ष चालुक्यअॅ, पल्लवअॅ और पांड्यअॅ के बीच था। दक्षिण भारत में सत्ता के लिए 3 राज्यअॅ ने संघर्ष किया। वे तमिल देश के शासक थे।
27.	कलचुरी राजवंश की स्थापना कोकल्ला ने की थी और गंग्यदेव इस राजवंश के सबसे शक्तिशाली राजा थे।
28.	सागरमल गोपा “जैसलमेर का गुंडाराज” के लेखक थे। वह राजस्थान, भारत के एक स्वतंत्रता सेनानी और देशभक्त थे। उन्हअॅने 1921 में असहयोग आंदोलन में सक्रिय भाग लिया। वे जैसलमेर के गुंडाराज के लेखक थे।
29.	सयाना एक संस्कृत मीमांसा विद्वान थे। वह कर्नाटक में दक्षिण भारत के विजयनगर साम्राज्य से थे। वेदअॅ पर एक प्रभावशाली टिप्पणीकार, वह राजा बुक्का राया I और उसके उत्तराधिकारी हरिहर द्वितीय के तहत फला-फूला।
30.	हैदराबाद की स्थापना 1591 ई। में सुल्तान मुहम्मद कुली कुतुब शाह द्वारा दक्कन पठार के उत्तरी सिरे पर मुसी नदी के तट पर की गई थी।
31.	पहला मुगल सम्राट बाबर का मकबरा काबुल में स्थित है।
32.	अकबर का मकबरा आगरा के सिकंदरा में स्थित है।
33.	जहाँगीर का मकबरा पाकिस्तान के लाहौर के एक उपनगर शाहदरा में स्थित है।
34.	हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून 1576 को मेवाड़, महाराणा प्रताप के राणा का समर्थन करने वाले घुड़सवारअॅ और धनुर्धारियअॅ के बीच लड़ी गई लड़ाई थी; और मुगल सम्राट अकबर की सेना, जिसका नेतृत्व अंबर के मान सिंह प्रथम ने किया था।
35.	हुमायूँ-नाम, ऐन-ए-अकबरी और अकबरनामा 16 वीं शताब्दी में लिखे गए थे।
36.	तुजक-ए-जहाँगीरी 17 वीं शताब्दी में लिखी गई थी।
37.	ऐन-ए-अकबरी या "अकबर का प्रशासन", 16 वीं शताब्दी का एक विस्तृत दस्तावेज है जो सम्राट अकबर के अधीन मुगल साम्राज्य के प्रशासन को दर्ज करता है, जो उनके दरबारी इतिहासकार अबू फजल ने फारसी भाषा में लिखा है।
38.	अकबरनामा जो अकबर की पुस्तक का अनुवाद करता है, अकबर के शासनकाल का आधिकारिक क्रॉनिकल है, जो कि अपने अदालत के इतिहासकार और जीवनी लेखक, अबू-फ़ज़ल इब्न मुबारक द्वारा नौ में से एक अकबर द्वारा खुद को कमीशन किया गया था, जो नौ में से एक था अकबर के दरबार में गहने।
39.	फ़रिश्ता, या मुहम्मद कासिम हिंदू शाह द्वारा तारिख-ए-फ़रिश्ता (16 वीं शताब्दी) का अनुवाद जे.ब्रिग्स द्वारा किया गया था, जिसका नाम राइज़ ऑफ़ द मोहम्मडन पावर है।
40.	1611 में सिकंदर बिन मुहम्मद मंजू द्वारा लिखित मिरात-ए-सिकंदरगी, जाफ़र खान (मुज़फ़्फ़र शाह प्रथम) द्वारा मुज़फ़्फ़र शाह तृतीय (1591) की मृत्यु और गुजरात में बाद की घटनाओं से गुजरात के इतिहास को अपने मुस्लिम विजय से देती है।
41.	चघताई तुर्क बाबर की मातृभाषा थी। उन्हअॅने आत्मकथात्मक बाबरनामा या तुजुक-ए-बाबरी लिखी। उनकी यादअॅ को मोटे तौर पर तीन भागअॅ में बांटा गया है। अंतिम भाग भारत का विस्तृत विवरण देता है।

42.	कुन्बुम-ए-हुमायूँ ख़्वाँद मीर द्वारा लिखी गई थी, जिसे ग़यासुद्दीन मुहम्मद के नाम से भी जाना जाता है। यह सम्राट हुमायूँ द्वारा स्थापित नियमअॅ और उनके द्वारा निर्मित कुछ इमारतअॅ के नियमअॅ और अध्यादेशअॅ का लेखा-जोखा है।
43.	1579 में, अकबर ने-दीन-ए-इलही 'के अपने नए धार्मिक विचार को प्रचारित करने के लिए इलाही सिक्के नामक सोने के सिक्के जारी किए। इस सिक्के पर लिखा था, 'ईश्वर महान है, उसकी महिमा हो सकती है'। इलही सिक्के का मूल्य 10 रुपये के बराबर था। सहंसा सोने का सबसे बड़ा सिक्का था। इन सिक्कअॅ पर फारसी सौर महीनअॅ के नाम लिखे हुए हैं।
44.	जहाँगीर ने सिक्कअॅ में एक दोहे में किंवदंती दिखाई। अपने कुछ सिक्कअॅ में उन्हअॅने अपनी प्यारी पत्नी नूरजहाँ का नाम जोड़ा। उनके सिक्कअॅ में सबसे प्रसिद्ध में राशि चक्र के चिन्ह थे।
45.	Adlis मुहम्मद बिन तुगलक के चांदी के सिक्के का नाम था।
46.	बहराइच की लड़ाई (1033) 1033 ईस्वी में गजनी के राजा सुहेलदेव और सैय्यद सालार मसूद के बीच एक निर्णायक युद्ध था। यह लड़ाई उत्तर प्रदेश के बहराइच शहर के पास लड़ी गई थी।
47.	इक्टा भूमि के वास्तविक संग्रह और खर्च की जांच करने के लिए, बलबन ने अधिकारियअॅ की एक नई श्रेणी नियुक्त की, जिसे ख्वाजास कहा जाता है, ताकि इक्ता धारकअॅ की आय का अनुमान लगाया जा सके और साथ ही वे अपने सैनिकअॅ को बनाए रखने में खर्च हुए।
48.	बलबन ने मंगोलअॅ का मुकाबला करने के लिए एक सैन्य विभाग 'दीवान - ए - आरज़' की स्थापना की थी। बलबन ने इमाद - उल - मुल्क को अपना सैन्य मंत्री बनाया, जो एक बहुत ही ईमानदार और मेहनती व्यक्ति था।
49.	1229 में, बगदादा के खलीफा द्वारा इल्तुतमिश को भारत के मुस्लिम सुल्तान के रूप में मान्यता मिली। इल्तुतमिश, उसके बाद 'अमीर - उल - मोमिनी या वफादार के सेनापति की उपाधि धारण की और खलीफा का नाम अपने सिक्कअॅ पर अंकित किया।
50.	मुगल सम्राट शाह आलम II (1759-1806) का वास्तविक नाम अली गौहर था।